विश्व हिन्दू परिषद

संकट मोचन आश्रम, रामकृष्णपुरम्, सेक्टर–6, नई दिल्ली–110022
फोन : 011–26178992, 26103495 फैक्स : 011–26195527

सुरेन्द्र कुमार जैन
प्रवक्ता व केन्द्रिय मंत्री

Sh. P. Chidambaram,
Hon'ble Home Minister,
Govt. Of India,
New Delhi.

12 Feb., 2010

Sub: Home Ministry more worried about the terrorists than the victims of terrorism.

Manyawar,

We have come to know that you have endorsed and supported the idea of Chief Minister of Jammu and Kashmir regarding the settlement of the terrorists of POK in J&K on the pretext that POK is the part of India. If you had used this argument to get the territory of POK back, the entire Nation would have supported you. But unluckily you have used this argument for a wrong cause. It would have been better if you have studied the experience of such experiments made in the past before making such a disastrous statement. J&K Govt. has recruited such so called surrendered terrorists in the forces but many of them have been caught for their antinational activities. Mr Gulam Nabi Azad, Ex Cong. CM of the state, has also refused the idea considering this experience. The Nation wants to know what made you to take such a sinister stand . How can it be made sure that the terrorists who were working to destroy our nation for the last 20 years ,will become patriots overnight and will love the people whom they were killing for the last so many years?

Sir, you have taken the oath to protect the life and property of the citizens of this nation. Have you ever taken any stand to resettle the Kashmiri Pandits in their home land which they had to vacate due to these terrorists? You have not spared even a single second to visit them to know the hardships being faced by them. Do you also believe that Hindus are secondary citizens of the country? Simply for the consolidation of Muslim vote bank for your party , how much the nation will have to suffer?

You are requested to rethink on your stand . If you are really serious about the resolution adopted by the parliament regarding POK ,you should take steps to get the land of POK back. It will send a strong signal to Pakistan and terrorists nurtured by them.

Thanking you,

Yours in the services of Mother India
Dr Surendra Kumar Jain
Spokesperson, VHP
E Mail: drskj01@gmail.com
M.:09215151823

विश्व हिन्दू परिषद

संकट मोचन आश्रम, रामकृष्णपुरम्, सेक्टर–6, नई दिल्ली–110022
फोन : 011–26178992, 26103495 फैक्स : 011–26195527

सुरेन्द्र कुमार जैन
प्रवक्ता व केन्द्रिय मंत्री

गृहमन्त्री को आतन्कवादियों की चिन्ता है, आतन्क से पीडितों की नहीं –डा0 सुरेन्द्र जैन,विश्व हिन्दू परिषद

जम्मू–कश्मीर के मुख्यमन्त्री,उमर अब्दुल्ला के समर्थन में भारत के गृहमन्त्री मा0 चिदम्बरम जी का यह बयान कि गुलाम काश्मीर के आतन्कवादियों को भारत में रहने का अधिकार है, आतन्कवादियों की हिम्मत बढाने का काम करेगा. विश्व हिन्दू परिषद के प्रवक्ता,डा0 सुरेन्द्र जैन ने आज उनके बयान पर टिप्पणी करते हुए यह कहा.विश्व हिन्दू परिषद ने उनके इस बयान पर चिन्ता व्यक्त करते हुए उनको एक पत्र लिखकर कहा कि वे मुस्लिम वोट बैंक के लिये देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड न करें.गुलाम काश्मीर भारत का हिस्सा है,यह कहते हुए अगर वे उस हिस्से पर दावा प्रस्तुत करते तो सम्पूर्ण देश उन पर गर्व करता,परन्तु दुर्भाग्य से इस तर्क का उपयोग उन्होने वहां के आतन्कियों को बसाने के लिये किया है,इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ और नहीं हो सकता.यह बयान देने से पहले अगर वे पहले के अनुभवों से सबक लेते तो अच्छा रहता पहले भी आत्मसमर्पण का नाटक कर चुके आतन्कवादियों को सुरक्षा बलों मे भर्ती किया गया परन्तु वे राष्ट्र विरोधी कामों मे ही लिप्त रहे.लगता है भारत के गृह मन्त्री अब काश्मीर को आतन्कवादियों को सोंपने की जल्दी में हैं.

भारत के गृहमन्त्री को अपनी वह शपथ याद होगी जिसमें उन्होने भारत के नागरिकों तथा उनकी सम्पत्ती की रक्ष खि कसम खायी थी.क्या उन्होनें कभी कश्मीरी हिन्दुओं को उनकी धरती पर वापस भेजने का सोच है जो इन आतन्कियों के कारण ही अपनी जन्म भूमि से बेदखल हुए हैं.? आतन्कियों की चिन्ता करने वाले मन्त्री को क्या कभी इनसे पीडित हिन्दू समाज की तकलीफ जानने की फुर्सत मिली है? जम्मू के एक हिन्दू को एक मुस्लिम लड़की से विवाह करने के कारण मार दिया गया.क्या उन्होनें कभी उस लड़के की मा के आंसूं पूछें हैं? ऐसा लगता है कि चिदम्बरम जी के भारत में हिन्दू दूसरे दर्जे के नागरिक हैं

डा0 जैन ने उनको चेतावनी देते हुए कहा कि वे हिन्दुओं के सब्र की और परीक्षा न लें तथा अपने नापाक इरादों से देश को और नुक्सान न पहुचायें.